

# পাট ও সমবর্গীয় তন্তু চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, ব্যারাকপুর

১৬-২৫ মে, ২০২০ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৭/২০২০)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান  
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

*An ISO 9001: 2015 Certified Institute*

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

[www.crijaf.org.in](http://www.crijaf.org.in)



भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान

ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibres



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श  
१७-२५ मे, २०२०

## (I) पाट उतुपादनकारी राजुतुणुलिर एइ सणुत्ताहेर सणुत्तावु आवहाओयार परिस्थिति

राजुतु/ कृषि-जलवायु अणुणुल/ जेला	आवहाओयार पूरुवाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, पूरुव वरुधमान, पश्चिम वरुधमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, बीरभूम	आगामी १९ शे मे वङ्गविदुतु सह हालका थेके मावुारि वृष्टि (मोतु ११ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा ३३-३९ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २३-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिंग, कोचविहार, आलिपुुरदुयार, जलपाइणुडि, उतुतर दिनाजपुुर, दक्षिण दिनाजपुुर, मालदा	आगामी चार दिन वङ्गविदुतु सह हालका थेके मावुारि (मोतु १०९ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) वृष्टि सणुत्तावना। एइ अणुणुले सरुवोऑ तापमातु्रा २८-३७ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा १८-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे। मालदा एवंग दक्षिण दिनाजपुुरेर सरुवोऑ तापमातु्रा ३७-३९ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २७-२९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे। हालका वृष्टि (१० मिलिमिटाेर पर्यतुतु) सणुत्तावना।
आसामः मध्य ब्रह्मपुुत्र उतुपतुका ऋेत्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी चार दिन वङ्गविदुतु सह हालका थेके मावुारि (मोतु ७१ मिलिमिटाेर मतुो) वृष्टि सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा ३१-३३ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २१-२२ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुुत्र उतुपतुका ऋेत्र गोयालपाडा, धुवडि, कोकडावाड, वङ्गइगाँओ, वरपेटा, नलवाडि, कामरुप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी चार दिन वङ्गविदुतु सह मावुारि थेके भारी (मोतु १५९ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) वृष्टि सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा २९-३२ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २०-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अणुणुल २ (उतुतर-पूरुव अणुणुल) पूरुणिया, काटिहार, सहर्ष, सुपुुल, माधेपुुरा, थागारिया, आरारिया, किषाणगणुज	आगामी चार दिन हालका थेके मावुारि (मोतु ५७ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) वृष्टि सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा ३२-४० डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २१-२९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।
उडिषुयाः उतुतर-पूरुव तटीय समभुुमि वालेश्वर, भद्रक, जाजपुुर	आगामी चार दिन वङ्गविदुतु सह मावुारि थेके भारी (मोतु ५९ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) वृष्टि सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा २९-३७ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २२-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।
उडिषुयाः उतुतर-पूरुव ओ दक्षिण-पूरुव समतल अणुणुल केन्द्रपाडा, खुर्दा, जगत्सिंहपुुर, पूरुी, नयागड, कटक (आंशिक) एवंग गणुजाम (आंशिक)	आगामी चार दिन वङ्गविदुतु सह मावुारि थेके भारी (मोतु १२९ मिलिमिटाेर पर्यतुतु) वृष्टि सणुत्तावना। सरुवोऑ तापमातु्रा २९-३७ डिग्रि एवंग सरुवनिम्न तापमातु्रा २१-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतुो थाकवे।

तथु सुरुतुः भारतीय आवहाओया विभाग (<http://mausam.imd.gov.in>) एवंग [www.weather.com](http://www.weather.com)



## II. पाट चाषिदेर जन्य कृषि परामर्श

### १। समय मतो (२५ मार्च-१० एप्रिल) लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयसः ५०-७० दिन)

- प्राक-वर्षार मरशुमे कालबैशाखीर हठां बेशि वृष्टि हये पाटेर जमि जलमग्न हये येते पारे, ताते पाटेर वृद्धि ते विरूप प्रभाव पड़े। तहि एहि समय, पाटेर जमि ते दाल अनुसार, १० मिटार दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटार चोड़ा ओ २० सेन्टिमिटार गभीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टि र अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे। आदर्श अवस्थाय प्रति वर्ग मिटारे ५५-७० टि पाटेर चारा बजाय राखुन।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन वयसे, पातेर डगार बन्न पातागुलि, वृष्टि र परे धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) द्वारा आक्रान्त हय। गाछ बड़ हवार साथे साथे, पातार काटा अंशगुलो बड़ हते থাকे। एहि पोका धूसर वर्णेर, तार उपर सादा बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लम्बाटे - एदेर पातार उपरे देखते पाओया याय। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटार वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटार वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टि र परे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेडे याय - एहि अवस्थाय शून्योपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एहि पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा याय। परे द्रत छड़िये पड़े ओ पातार न्कति करे। तहि चाषिरा नजर करे देखे, एहि सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटार वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- पाटेर वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमि ते मकड़ेर उपद्रव हते पारे। मकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पूर वा मोटा हये यावे, पातार शिरार मावेर अंश कुँचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-बादामी रंयेर हये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राखते पारले मकड़ थेके न्कति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे मकड़ेर आक्रमण चलते থাকे, तवे मकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा प्रोपारगईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये याय, तहले कमपक्के ५-७ दिन अपेक्षा करुन, तार परेओ यदि मकड़ेर लक्षण থাকे तवे मकड़नाशक दिते पारेन।
- पाट चाषेर समस्त अण्णलेहि, पाटेर घोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता खेये न्कति करे। एरा सरु, सबजे रंयेर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रंयेर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय मावखानटा उल्टानो इंगराजी ईट आकृतिर फाँसेर मतो देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन वयसेहि बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिक्कार ना खोला पाता थेकेहि न्कति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येहि एदेर न्कति र लक्षण देखा याय। पातार धारगुलो खेये खाँज तैरी करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा याय। यदि न्कति र परिमान शतकरा १५ भाग हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनभेलारेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे। स्प्रे करार समय केवलमात्र डगार पातागुलो र दिक्केहि बेशि करे ओषुध प्रयोग करते हवे।



समय मतो लागानो पाट (५०-७० दिन वयस)

धूसर पोकार (ग्रे उइडिल) आक्रमण प्रतिहत करते - क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटार वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटार वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।





वृष्टिपरे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ बातासे जलीय बाष्पेर परिमान बेडे यय - एहि अवस्थाय शुँयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिडे पडे। चाबिरा नजर करे एदेर डिम आर शुकरकीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटांर बा इन्डक्कार्ब (१८.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



यदि घोडापोकार (सेमिलुपार) द्वारा क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग बा बेशि हय, तबे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि बा फेन्डेलारेट (२० ईसि) १ मिलि बा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटांर जले मिशिये स्प्रे करते हवे। स्प्रे करार समय केवलमात्र डगार पाताओलोर दिकेई बेशि करे ओषुष प्रयोग करते हवे।



क) माकड़ आक्रान्त - लागानोर ३०-३५ दिन पर  
ख) जलेर अभाव एडान, माटिते रस बजाय राखन। फेनपाइरसिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर बा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर बा प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रतिलिटांर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे ब्यवहार करते हवे।



जलमग्न हओयार जन्य पाट क्षतिग्रस्त। अतिरिक्त जल निकाशि करे बेर करते हवे।



शिलावृष्टिर् जन्य पाट क्षतिग्रस्त। यदि ५०-६० शतांशेर बेशि क्षति हय, ताहले आबार बीज लागाते पारेन। अन्याथाय, माध्यमिक परिचर्यार माध्यमे जमिर अवस्थार परिवर्तन करते हवे।



## २। १५ एप्रिलेपर लागानो पाट (फसलेर वयसः ३५-४० दिन)

- यदि नाइट्रोजेन सारेर चापान देओया बाकि थाके, तवे जमिंते रसेर (जलेर) भाव आछे देखे (बा प्रयोजने परे सेच दिते हवे) नाइट्रोजेन २० किलो/ प्रति हेक्टेर हिसावे प्रयोग करते हवे। प्रति वर्ग मिटारे ५०-५५ टि चारा राखुन।
- प्राक-वर्षार मरशुमे कालबैशाखीर हठां बेशि वृष्टि ह्ये पाटेर जमि जलमग्न ह्ये येते पारे, ताते पाटेर वृद्धिंते विरूप प्रभाव पड़े। ताई एई समय, पाटेर जमिंते ढाल अनुसार, १० मिटार दुरे दुरे, २० सेन्टिमिटर चोड़ा ओ २० सेन्टिमिटर गतीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टिंर अतिरिक्त जल जमिं थेके बेरिये येते पारे।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन वयसे, पातेर डगार वन्र पातागुलि, वृष्टिंर परे धूसर पोकार (ग्रे उईडिल) द्वारा आक्रान्त ह्य। गाछ वड़ हवार साथे साथे, पातार काटा अंशगुलो वड़ हते थाके। एई पोका धूसर वर्णेर, तार उपर सादा बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लस्राटे - एदेर पातार उपरे देखते पाओया यय। क्लोरपाइरिफस (५० ईसि) एवंग साइपारमेथिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटर बा क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटर बा कुइन्यालफस (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टिंर परे यदि दिनेर तापमात्रा वाड़े ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान वेड़े यय - एई अवस्थाय श्रुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एई पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलवद्ध भावे देखा यय। परे क्रत छड़िये पड़े ओ पातार क्षति करे। ताई चाषिरा नजर करे देखे, एई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाड़ा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटर बा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- पाटेर वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमिंते माकड़ेर उपद्रव हते पारे। माकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पुरू बा मोटा ह्ये यावे, पातार शिरार मावेर अंश कुँचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रण्येर ह्ये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमिंते जलेर (रसेर) अभाव ना ह्य, सबसमय जो अवस्था राखते पारले माकड़ थेके क्षति कम ह्य। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे माकड़ेर आक्रमण चलते थाके, तवे माकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले बा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले बा प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि ह्ये यय, ताहले कमपक्षे ५-६ दिन अपेक्षा करण, तार परेओ यदि माकड़ेर लक्षण थाके तवे माकड़नाशक व्यवहार करते पारेन।
- इन्डिगो काटाारपिलार पोकार आक्रमण विषये चाषिरा सतर्क थाकबेन। यदि आक्रमण चलते थाके, तवे क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये विकालेर दिके प्रयोग करते हवे।



उत्तर ओ दक्षिण वङ्गेर  
बिभिन्न जायगाय  
३५-४० दिन वयसेर  
पाट



वृष्टिंर परे यदि दिनेर तापमात्रा वाड़े ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान वेड़े यय - एई अवस्थाय श्रुंयोपोकार आक्रमण ह्य। एरा क्रत छड़िये पड़े। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटर बा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

धूसर पोकार (ग्रे उईडिल) आक्रमण प्रतिहत करते क्लोरपाइरिफस (५० ईसि) एवंग साइपारमेथिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटर बा क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटर बा कुइन्यालफस (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।









क) मकड़ आक्रान्त- लागानोर ३०-३५ दिन पर  
ख) जलेर अभाव एडान, माटिते रस बजय राखुन। फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर वा स्प्राइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे ब्यवहार करते हवे।

इंडिगो क्यार्टारपिलार पोकार आक्रमण कम करते, पाट लागानोर १५ दिन परे, क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटांर / प्रति लिटांर जले मिशिये बिकालेर दिके प्रयोग करते हवे। आक्रमण थाकले, १० दिन परे परे, आबार स्प्रे करा यावे।

शुकनो माटिर अवस्थाय, हत्राक-घटित गोडा-कांड संयोगस्थल पचा रोग। यदि रोग शतकरा ५ भागेर बेशि छुडिये पड़े, कपार अक्लिक्लोराइड ०.५ शतांशेर द्रवण प्रयोग करुन।



अति वृष्टिर अतिरिक्त जल जमिर उपरेर निकाशि नाला दिये यत द्रुत संभव बेर करे दिते हवे।

### 8. एप्रिलेर शेष सण्टाहे लागानो पाट (फसलेर बयसः १५-२५ दिन)

- पाट लागानोर १५-२० दिन पर, क्रिजाफ नेल उईडारेर पिछनेर दिके टाछनि वा स्फुपार लागिजे वा पाटेर एक चाका निडानि यन्त्र, दिजे उंएपन्न हउया सब आगाछा नियन्त्रण करते हवे। तवे क्रमागत वृष्टि हते थाकले, नेल उईडार चालिये आगाछा दमन संभव हवे ना। एई रकम अवस्थाय, घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुईजालोफप इथाइल (५ ई.सि) १.५-२.० मिलिलिटांर प्रति लिटांर जले मिशिये छिटिये दिते पारुन। तार परे (घास जातीय छाड़ा) अन्य धरनेर आगाछा हात निडानि दिजे तुले फेलते हवे।
- खुब खरार परिस्थिति हले ३ सेमि. मते जलसेच दिन। कोथाओ कोथाओ भारी वृष्टिर संभावना आछे। एरकम अण्ठले यत द्रुत संभव, जमिर अतिरिक्त जल बेर करे दिते हवे। तई एई समय, पाटेर जमिंते टाल अनुसारे, १० मिटांर दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटांर चउड़ा ओ २० सेन्टिमिटांर गभीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टिर अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- आगाछा दमनेर चूड़ांत पर्याय ओ चारा पातला करा हजे गेले, पाट लागानोर २० दिन परे, चापान सार हिसाबे, २० किलो नाईट्रोजेन/ प्रति हेक्टेरे प्रयोग करते हवे।
- इंडिगो क्यार्टारपिलार पोकार आक्रमण विषये चाशिरा सतर्क थाकबेन। यदि आक्रमण चलते थाके, तवे क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटांर / प्रति लिटांर जले मिशिये बिकालेर दिके प्रयोग करते हवे।
- जमि बेशि शुकनो अवस्थाय थाकले, गोडा-कांड संयोगस्थल पचा रोग देखा दिते पारे। यदि शतकरा ५ भागेर बेशि प्रकोप देखा याय, तहले जमिंते सेच दिन एवंग परे कपार अक्लिक्लोराइड (ब्लाइटक्ल ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांश द्रवण प्रयोग करते हवे। तवे बेशि वृष्टि हउयार अवस्थाय, चारार धसा रोग नियन्त्रणे प्रथमे अतिरिक्त जल बेर करे दिन, तार परे कपार अक्लिक्लोराइड (ब्लाइटक्ल ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांश द्रवण वा म्यानाकोजेब ०.२ शतांश द्रवण प्रयोग करुन।



पाट लागानोर २०-२१ दिन पर, क्रिजाफ नेल उईडारे स्फुपार लागिजे ब्यवहार करुन



पाट लागानोर २०-२१ दिन पर, एकचाका पाट निडानि यन्त्र (सिजल हईल जुट उईडार) ब्यवहार करुन





इन्डिगो क्यारिपिलार पोकार आक्रमण नियन्त्रण करते क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलिलिटर /प्रति लिटार जले मिश्रिये विकालेर दिके प्रयोग करते हवे। समस्या थेके गेले, ८-१० दिन पर पर आबार स्प्रे करते हवे।

शुकनो माटिर अवस्थाय, हत्राक-घटित गोड़ा-कांड संयोगस्थल पचा रोग हय। यदि रोग शतकरा ५ भागेर बेशि छडिये पड़े, कपार अक्लिक्लोरिड ०.५ शतांशेद्रवण प्रयोग करुन।

बेशि वृष्टि अतिरिक्त जल जमिर उपरेर निकाशि नाला दिये यत द्रत संभव बेर करे दिते हवे।



#### ५. मे मासेर प्रथम सप्ताहे लागानो पाट (फसलेर वयसः १०-१५ दिन)

- आगाछा बेरिये याबार पर, घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुइजालोफप इथाइल (५ ईसि) १.५-२.० मिलिलिटर प्रति लिटार जले मिश्रिये पाट बोनार १५-२० दिन परे जमिटे छिटिये दिते पारेन। अन्य धरनेर आगाछा हात निडानि दिये तुले फेलते हवे।
- अबिलखे पाटेर जमि थेके अतिरिक्त जल बेर करे देवार जन्य, जमिटे दाल अनुसारे, १० मिटार दूरे दूरे, २० सेन्टिमिटर चोड़ा ओ २० सेन्टिमिटर गतीर जल निकाशि नाला वानाते हवे।
- जमि बेशि शुकनो अवस्थाय थाकले, गोड़ा-कांड संयोगस्थल पचा रोग देखा दिते पारे। यदि शतकरा ५ भागेर बेशि प्रकोप देखा यय, ताहले जमिटे सेच दिन एवं परे कपार अक्लिक्लोरिड (रुइटक्ल ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांशेद्रवण प्रयोग करते हवे। तबे बेशि वृष्टि हओयार अवस्थाय, चारार धसा रोग नियन्त्रणे प्रथमे अतिरिक्त जल बेर करे दिन, तार परे कपार अक्लिक्लोरिड (रुइटक्ल ५० डब्लु.पि) ०.५ शतांशेद्रवण वा म्यानकोजेव ०.२ शतांशेद्रवण प्रयोग करुन।



यत द्रत संभव, अति वृष्टि जमा जल जमिर उपरेर निकाशि नाला दिये बेर करे दिते हवे।



यदि संभव हय, पाट लागानोर १० दिन पर, सब धरनेर आगाछा दमनेर जन्य क्लिजफ नेल उइडार व्यवहार करुन, अथवा कुइजालोफप इथाइल १ मिलिलिटर प्रति लिटार जले मिश्रिये स्प्रे करुन।



### III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलें कृषि परामर्श

#### क) सिसाल

- यदि दिनेर सर्वोच्च तापमात्रा 80 डिग्रि बेशि ना हय तबे, ये सब चाषिरा एखनो सिसाल पाता काटेननि, तारा बिकाले दिके सिसाल पाता काटते पारेन एबं सेई दिनई पाता थेके तन्त्र बेर करबेन (डिकर्टिकेशन)। पाता काटार परे रोग थेके सिसाल गाछ बाँचाते कपार अक्लिक्लोराइड 2-3 ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करबेन।
- प्राथमिक नार्सारिते यथा समये आगाछा नियन्त्रण एबं फसल सुरक्षा विषये सब व्यवस्था निते हबे, याते चारार वृद्धि भालो हय एबं ऐ चारा जुलाई मासेर दिके माध्यमिक नार्सारिते निये याओया याय।
- मूल जमिते सिसाल लागानोर जन्य, जमि ठिक करे, परिष्कार करते हबे एबं 3.5 मिटार — (1 मिटार-1 मिटार) दूरद्व मेने 1 घन फुट साहजेर पिट तैरी करते हबे। किन्तु सिसाल लागानोब जन्य टालू, सबुजेर आच्छादन ना थाका ऋये याओया जमि पुरोटा चाष दिये माटि आलग करी याबे ना, कारण एते भूमिष्क्य आरो बाडते पारे।
- अन्तरवती फसलेर परिचर्या करते हबे एबं खरिफ मरुमे सिसालेर दुई सारिर माबे नतून अन्तरवती फसल लागानोर जन्य प्रसुति निते हबे। अन्तरवती फसल हिसाबे डालशस्य, सज्जि, गोखाद्य इत्यादि चाष करा येते पारे।
- पाताय जेब्रा रोगेर लष्ण देखा दिले, म्यानकोजेब (68 शतांश) एबं मेटोलाक्लि (8 शतांश) एर मिश्रण 2.5 ग्राम वा कपार अक्लिक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये प्राथमिक नार्सारि ओ सिसाले मूल जमिते स्प्रे करते हबे।



क

(क) सिसाल पाता काटा  
(ख) तन्त्र निष्काषण

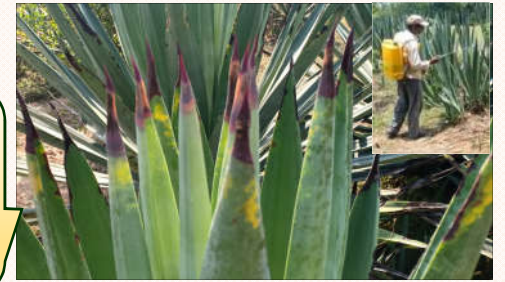


ख

प्राथमिक नार्सारिते  
अन्तरवती परिचर्या  
करते हबे



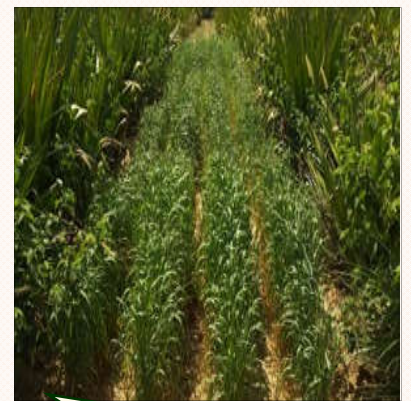
सिसाले जेब्रा रोग।  
कपार अक्लिक्लोराइड  
2-3 ग्राम प्रति लिटार  
जले मिशिये स्प्रे  
करते हबे



अन्तरवती फसल हिसाबे सबेदा चाष



अन्तरवती फसल हिसाबे लाड चाष



अन्तरवती फसल हिसाबे गोखाद्य चाष



## ख) रेमि



- यारा एकेनो रेमि लागान नि, तारा अबिलन्धे आर-१४११ (हाजारिका) जातेर राईजोम वा शिकड-सह चारा लागान। एक हेक्टेरेंर जन्य ५५,००० टि राईजोमेर टुकरो (प्राय ७ इण्डि साइज) लागबे यार मोट ओजन प्राय ९०० किलो हबे।
- ४-५ सेन्टिमिटांर गतीर करे नालि करे तार मध्ये ७०-९५ सेन्टिमिटांर दूरे दूरे १०-१५ सेन्टिमिटांर लखा रेमि राईजोम लागते हबे। एकई सारिंर मध्ये राईजोम थेके राईजोमेर दूरत हबे ३० सेन्टिमिटांर।
- यादेंर मार्चेर प्रथम पक्षेंर आगेई रेमि राईजोम लागानो हयेछे, तारा प्रति हेक्टेरेंर २०४१०४१० किलो नाइट्रोजेन, पटाश, फसफेट दिते पारेंन।
- सुसम सार प्रयोगेंर माध्यमे, माटिंर स्वास्थुंर भालो राखा ओ भालो फलन पेंते, रासायनिक सारेंर सङ्गे खामार सार वा रेमि कम्पोस्ट सुसंहत पद्धतिंते व्यवहार करते पारेंन।
- रेमि लागानोेर पारे ओ प्रति वार रेमिंर काटिं करार पारे कुइजालोफप इथाइल (५ ईसि) ४० ग्राम ए.आई प्रति हेक्टेरेंर प्रयोग करे घास जातींर आगाछा दमन करा यार।
- पुरनो रेमिंर जमिंते, सब गाछ समान भाबे बेडे ओठार जन्य एई समये एक सङ्गे केटे दिते हबे (एके सेटज ब्याक बले)।
- आसामेंर रेमि चाशेंर अण्णलेंर जन्य आवहाओयार पुरवभास अनुसारे, मावारि थेके भारी वृष्टिंर सञ्जावना आछे। रेमि जल जमा एकदमई सह करते पारे ना। ताई बेशि वर्षा आगेई जमिंते जल निकाशि नाला वानाते हबे।



भालोभाबे चाश दिये प्रसुत जमिंते, नालि/परिखा पद्धतिंते रेमि लागानो

लागानोेर जन्य रेमिंर गेँड (राईजोम) तोला



एकई रकम काड संख्या ओ समान वृद्धिंर जन्य प्राक-खरिफ मरुंमे असमान काड केटे फेला (सेटजब्याक)





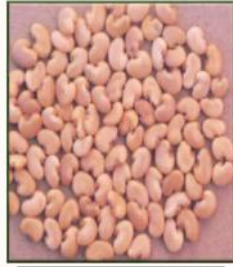
## ग) शणपाट (सानहेम्प)

### १। ये सब चाषिदेर एखनो शणपाट लागानो हयनि

- उतुतर प्रदेशेर शणपाट लागनोर अधुग्लेर आगामी सपुाहेर सर्वोच्च तापमात्रा ७८-८१ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २५-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो থাকवे। सामान्य वृष्टिेर सन्भावना आछे।
- चाषिदेर जमि चाष दिये प्रसुत करे प्राक-वर्षार वृष्टिेर जल काजे लागिये- शणपाट लागानोर परामर्श देओया हछे। केवलमात्र उच्च फलनशील जातगुलि येमन - प्राक्कुर (एस.आर.जे-७१०), अक्कुर (एसडिआईएन ०३९), शैलेश (एस एईच-८), स्वस्तिक ( एसडिआईएन ०५०), एवंग के-१२ (ब्ल्याक) शंसित बीज लागते हवे। कार्बेडाजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे व्यवहार करे लागानोर आगे बीज शोधन करते हवे, एर फले बीज बाहित रोग थेके शणपाट बाँचानो यय।
- प्राथमिक मूल सार हिसावे प्रति हेक्टेरे २०३८०-५०३८० किलो नाईट्रोजेन, फसफेट, पटाश (वा इडरिया २० किलो, सुपार फसफेट ३१२ किलो, मिडरियेट अफ पटाश ७९ किलो) माटिेर सपे भालोभावे मिशिये जमिटे दिते हवे। मोट प्रदेय उड्दिद खाद्योपादानेर २५ शतांश जैव उंस (ये कोनो जैव सार) थेके हले भालो।
- लाइन वा सारि करे बीज लगाते हवे। सारि थेके सारिेर दूरत्व हवे २० सेन्टिमिटाेर, आर सारिेर मध्ये गाछ थेके गाछेर दूरत्व हवे ५-९ सेन्टिमिटाेर। सारि करे लागले हेक्टेर प्रति २५ किलो आर छिटीये लागले ३५ किलो बीज लागवे।



कालो रंगेयेर बीज



हलुद रंगेयेर बीज



जमि तैरी एवंग कार्बेडाजिम २ ग्राम प्रति किलो बीजे दिये बीज शोधन करे जमिटे लागानो

### २। ये सब चाषिदेर एप्रिलेर माबामाबि शणपाट लागानो हयेछे (फसलेर वयसः ३०-३५ दिन)

- यदि एर मध्ये वृष्टि ना हये थाके वेग माटिटे जलेर अभाव हय, तवे हालका सेचेर परामर्श देओया हछे। सेचेर पर, २५ दिन गाछेर वयसे, एक बार हात निडानि दिते हवे - एते आगाछा दमन हवे, गाछेर वृद्धि हवे ओ एसमये प्रति वर्ग मिटाेर ५५-७० टि चरा राखते हवे।
- यदि शुकोनो परिस्थिति चलते थाके, तहले माछिेर मतो फ्लि विट्ल पोकार आक्रमण हते पाेर। एरा पाता खेये फुटो फुटो करे देय। चाषिदेर शुंयोपोकार आक्रमणेर व्यापारे ओ सतर्क करा हछे। यदि बेशि आक्रमण हय, तहले क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटाेर वा निमतेल ३-४ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।



३०-४० दिन वयसेर शणपाट फसल

फ्लि विट्ल आक्रमण शणपाट



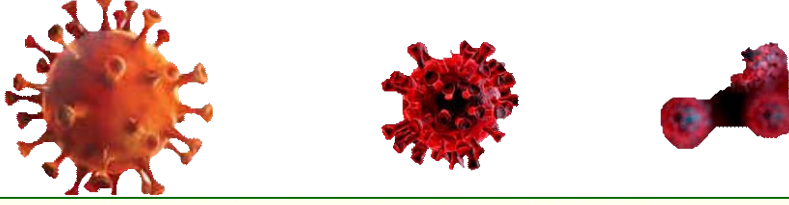
शुंयोपोका द्वारा आक्रमण शणपाट







#### IV. कोरोना (COVID-19) भइरसैर संक्रमण छड़िये पड़ा ठेकाते ये ये निरापत्तामूलक ओ प्रतिरोध व्यवस्था ग्रहन करते हवे एवं मेने चलते हवे



- 1। कृषकदैर चाषवासैर काजेर समय निरापत्ता व्यवस्था हिसाबे एक जनेर थेके आरैक जनेर सामाजिक दुरतव बजाय राखते हवे। चाषिरा जमि चाष, बीज वपन, आगाछा नियन्त्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखोस (मास्क) परबेन, आर माबे माबे सावान-जल दिये हात नेबेन।
- 2। येखाने संभव, हात दिये बीज बोनार परिवर्ते, क्रिजाफ पाट बीज वपन यन्त्रेर व्यवहार करते हवे। एकटाना अनेकटा जमिते एकदिने अनेक कृषि कर्मचारि दिये बीज ना लागिये, किछु दिन वा समयेर व्यवान रेखे कम संख्यक जनमजूर दिये बीज वपन करते हवे।
- 3। यखन एकई कृषि यन्त्रपाति येमन - लाङ्गल, ट्राक्टर, पाओयार टिलार, बीज वपन यन्त्र, निडानि यन्त्र, जलसेचेर पास्प अनेके मिले पर पर भागाभागि करे व्यवहार करबेन, तखन खेयाल राखते हवे एई यन्त्रपातिगुलि येन सठिकभाबे परिस्कार करा हय। कृषि यन्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हवे।
- 4। चाषेर काजेर फाँके अवसरैर समय, खाबार खाओयार समय, बीज शोानैर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतव (कम पक्षे 3-8 फुट) बजाय राखते हवे।
- 5। यतोटा संभव, कृषि काजे परिचित लोकैरई काजे लागान। ভালोभाबे खोज खबर नियेई सेई मजूर काजे लागते हवे, याते कोनो कोरोना भइरस वाहक कृषिकाजे आपनार अण्णले चले आसते ना पारे।
- 6। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये ভালोभाबे हात धुये नेबेन। बाजारै बीज, सार इत्यादि किनते याबार समय अवश्याई मुखोस (मास्क) परबेन।
- 7। कोभिड-19 भइरस रोग संक्रांत जरुरि स्वास्थ्य परिसेवा विषये तथ्य जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामैर एप्लिकेशन सफ्टओयार व्यवहार करुन।



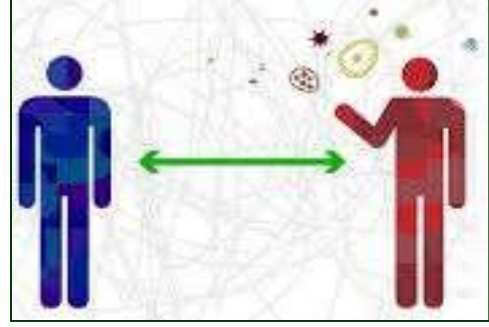
**Aarogya Setu**

मं सुवर्धित | हम सुवर्धित | भारत सुवर्धित





## V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, बारो बारो शि करे काज चालाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरा माबो माबो हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरा धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि बार बार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरा रोगेर आक्रमेन ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाभस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर यायगा बार बार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये परामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर मेशिनेर अनेर स्थाने बार बार हात दिते हय, तादेर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाइज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडाओ मेशिनेर ओई जायगागुलो बार बार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फांका वा भिड़ कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादेर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरा टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड़ करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिर एई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तबे तिनि अबिलम्बे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सङ्गे योगायोग करबेन।

## आपनारा सबाई सुस्थ्य ओ निरापद थाकुन, एई कामना करि

ड. गौराङ्ग कर

निर्देशक

आई.सि.ए.आर-क्रिजाफ,

नीलगण्ड, ब्यारकपुर,

कोलकाता-१००१२०, पश्चिमबङ्ग

द्वारा संकलित ओ प्रकाशित

**Acknowledgement:** The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory (Issue No: 07/2020)